

स्लाविया से प्रतिरूप प्रतिनिधि-मण्डल भारत आये और उन्होंने परस्पर व्यापार के लिए आवश्यक सम्पर्क स्थापित किये। विभिन्न निर्यात-संवर्धन परिषदों के तत्वाधान में, सामूहिक प्रतिनिधि-मण्डलों का आदान-प्रदान करने के अतिरिक्त, भारतीय व्यापारियों के व्यक्तिगत दौरों को भी प्रोत्साहित किया गया और उन्हें हमारे विदेश-स्थित वाणिज्यिक प्रतिनिधियों द्वारा सभी आवश्यक सुविधाएं दी गईं।

(ख) विशेषतः एशिया तथा अफ्रीका के साथ व्यापार बढ़ाने और इन दोनों महा-द्वीपों में भारतीय वस्तुओं को लोकप्रिय बनाने के विचार से, अन्य बातों के साथ-साथ, इन देशों के साथ आर्थिक सहयोग के लिए भारत के अवसरों को बढ़ाने की सम्भावनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए अक्टूबर, 1963 में, नई दिल्ली में एशिया एवं अफ्रीका के हमारे मिशन के प्रधानों का एक सम्मेलन बुलाया गया। भारत तथा इस क्षेत्र के अन्य देशों के बीच संयुक्त आर्थिक विकास की ओर विशेषतः ध्यान दिया गया। इस विषय में तब से ठोस प्रस्ताव प्रस्तुत किये गए हैं।

अभी हाल में हमने अल्जीरिया, ट्यूनिस्, बेरूत, दार-ए-सलाम तथा डाकर में वाणिज्यिक कार्यालय खोले हैं। इसी प्रकार के कार्यालय, दक्षिण तथा दक्षिण-पूर्व एशिया और पश्चिम यूरोप में स्थापित किये जा रहे हैं। वाणिज्य मन्त्रालय को कुवैत तथा वाणिज्य-स्थित भारतीय मिशनों का नियन्त्रण हस्तांतरित करने के रूप में प्रशासकीय पुनः व्यवस्था से भी सामान्यतः व्यापार-विकास पर ध्यान केन्द्रित करने में सहायता मिलने की आशा है।

एशियाई तथा अफ्रीकी देशों को भारत से जो निर्यात किया गया, उसका विवरण अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मन्त्रालय की 1963-64 की रिपोर्ट में दिया गया है, जो कि संसद को इस वर्ष के आरम्भ में उपलब्ध करा दिया

मया था। संक्षेप में, एशिया में जापान, हांग-कांग, श्रीलंका, अफगानिस्तान तथा बर्मा और मलेशिया में भारतीय माल की अच्छी मांग है। अफ्रीका में हमारे प्रमुख आयातक देश संयुक्त अरब गणराज्य (मिस्र), केनिया, सूडान तथा नाइजीरिया हैं।

कुछ सम्बद्ध विकासों का एक विवरण, जिनका निर्यात-संवर्धन पर मूर्त प्रभाव यथासमय अनुभव किया जायेगा, सभा पटल पर रखा गया है। **दक्षिण संख्या एल-टी—3605/64]**

गजरौला-नजीबाबाद ब्रांच लाइन

1270. श्री प्रकाशबीर शास्त्री : क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गजरौला-नजीबाबाद ब्रांच लाइन (उत्तर रेलवे) पर जिन स्टेशनों पर तार घर और प्रतीक्षालय की सुविधा नहीं है क्या उसकी व्यवस्था हो रही है ; और

(ख) यदि हां, तो कब तक यह कार्य पूरा हो जायेगा ?

रेलवे मन्त्रालय में राज्य-मन्त्री (डा० राम सुभग सिंह) : (क) जिन स्टेशनों पर प्रतीक्षालय और तार-घर नहीं हैं, वहां इनकी व्यवस्था करने का अभी विचार नहीं है। जहां प्रतीक्षालय नहीं हैं, वहां इनकी व्यवस्था क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्श समिति को सिफारिश पर की जाती है। फ्लैग और हाल्ट स्टेशनों को छोड़ कर सभी स्टेशनों पर तार-घर हैं। फ्लैग और हाल्ट स्टेशनों पर तार-घर की व्यवस्था करने का औचित्य नहीं है।

(ख) सवाल नहीं उठता।

Committees in the Ministry of Industry and Supply

1271. **Shri Daljit Singh:** Will the Minister of **Industry and Supply** be pleased to state:

(a) the total number of Committees and sub-Committees which are functioning in his Ministry; and

(b) the total number of members on those Committees?

The Minister of Heavy Engineering and Industry in the Ministry of Industry and Supply (Shri T. N. Singh): (a) 86.

(b) 1,126. (This does not include representatives of State Governments who are co-opted as members on one Committee and the members of another Committee whose membership is not fixed).

New Railway Stations on Northern Railway

1272. Shri Daljit Singh: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether there is any proposal to open new railway stations on the Northern Railway during the remaining period of the Third Plan; and

(b) if so, the details thereof and the names of places?

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Sham Nath):

(a) Yes.

(b) A statement is laid on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-3606/64].

Scout Certificates

1273. { **Shri Yashpal Singh:**
Shri P. R. Chakraverti:
Shri U. M. Trivedi:
Shri Hukam Chand
Kachhavaiya:
Shri S. M. Banerjee:
Shri Dinen Bhattacharya:

Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether the Northern Railway has demanded payment of about Rs. 40,000 from the District Scouts Commissioner, Bharat Scouts and Guides, Kanpur, who allegedly gave false "Scout Certificates" to 100 local Congressmen at the time of the last Congress Session held at Bhubaneswar;

(b) if so, how such a large number of certificates were entertained by the Railways without any verification; and

(c) the measures proposed to be taken so that such mistakes are not repeated?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh): (a) The Northern Railway have demanded payment of about Rs. 4,000 (not Rs. 40,000) from the District Scout Commissioner, Bharat Scouts & Guides, Kanpur, who issued concessional certificates to 107 persons, as it was subsequently found out that they were not *bona fide* scouts/guides travelling on scout duty. Some of them were Congressmen.

(b) As the concession certificates issued by the District Scout Commissioner, Kanpur, were *prima facie* in order and were not considered suspicious, the concession orders were issued.

(c) The concession allowed to scouts and guides of the Kanpur District has been withdrawn so long as the present District Scout Commissioner continues in office. Instructions are also being issued by the Northern Railway to ensure that scouts/guides certificates for concession tickets at other stations are not misused.

Automobile Transmission Chains

1274. Shri P. C. Borooah: Will the Minister of Industry and Supply be pleased to state:

(a) whether a group of Indian manufacturers propose to set up a factory near Bombay to manufacture automobile transmission chains;

(b) whether any foreign collaboration is sought for the project; if so, from where it is likely to be available; and

(c) the broad details of the project?

The Minister of Heavy Engineering and Industry in the Ministry of Industry and Supply (Shri T. N. Singh): (a) No proposal has been received